राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (रा.न.का.सं.) शहरी विकास प्रबंधन में अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए एक उत्कृष्ट संस्थान है। इसकी स्थापना सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अंतर्गत 1976 में एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई, यह संस्थान भारत सरकार के शहरी विकास एवं रोजगार मंत्रालय, राज्य सरकारों, शहरी एवं क्षेत्रीय विकास प्राधिकरणों तथा शहरी मामलों से संबंधित अन्य अधिकरणों के सहयोग एवं वचनबद्धता से कार्य कर रहा है। संस्थान की नीतियाँ एवं निदेश शासी परिषद् द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, जिसमें एक अध्यक्ष जो भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, दो उपाध्यक्ष, भारत सरकार के तीन पदेन सदस्य, बारह अन्य सदस्य और सदस्य सचिव के रूप में संस्थान का मुख्य कार्यपालक अर्थात् निदेशक होते हैं।

संस्थान की नियमावली में निम्नलिखित गतिविधियों को संस्थान के प्रमुख कार्य के रूप में निर्धारित किया गया है:-

- शहरीकरण पर आधारित अध्ययन करना, उन्हें बढ़ावा देना तथा उनका समन्वय करने के लिए स्वायत्तशासी वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संगठन के रूप में कार्य करना ;
- शहरी समस्याओं के उन्नत अध्ययन केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा आवश्यक प्रशिक्षण व अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध कराना एवं उन्हें प्रोत्साहन देना;
- शहरी विकास योजनाओं व कार्यक्रमों के कार्यान्वियन के सामाजिक, प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य पक्षों का मूल्यांकन;
- शहरी मामलों के क्षेत्र में उपलब्ध विशेषज्ञों को कार्यप्रवृत करना और तकनीकी व परामर्शी सेवाएँ प्रस्तुत करना व उनका समन्वय करना;
- संस्थान के उद्देश्यों को प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्रीय, राज्य अथवा स्थानीय केन्द्रों को गठित करने अथवा गठित करने के उद्देश्य अथवा संबंधन देना (Affiliated);
- विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ एवं सेमीनार आयोजित एवं प्रायोजित करना;
- सूचनाओं के वितरण केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा प्रलेखन केन्द्र (documentation center) चलाना तथा शहरी मामलों पर सूचनाओं का वितरण करना; तथा
- प्रकाशनों का दायित्व लेना व उन्हें सुसाध्य बनाना एवं पुस्तकों, अनुसंधान पत्र, मोनोग्राफ, पत्रिकाएँ व शहरी मामलों से संबंधित अन्य सूचना सामग्री ;
- संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ शहरी नियोजकों के अनुभवी व बहुविद्या विशेषज्ञों के दल, अर्थशास्त्रियों, भूगोलज्ञों, सांख्यकीविद्, समाजविज्ञानी, प्रणाली विशेषज्ञों और प्रबंधन विशेषज्ञों द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं।